NEWSLETTER

शनिवार, 26 अगस्त 2023 | वॉल्यूम - 60

Interview | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

बीआईएस प्रमाणन को लेकर जिनर्स ने कपास निगम की निविदाओं का बहिष्कार करा

GOLD : 58640
SILVER : 73627
CRUDE OIL : 6542

“वर्त्तमान परिवेश में कपडा उद्योग की चुनोतिया और उनका निराकरण”

वस्त्र उद्योग एक महत्वपूर्ण और विशाल उद्योग है जो मानव जीवन के सभी पहलुओं को प्रभावित करता है। यह उद्योग वस्त्रों की उत्पादन से लेकर उनके वितरण और बाजार में वितरण तक के कई प्रक्रियाओं को शामिल करता है। वस्त्र उद्योग न केवल फैशन और स्टाइल के क्षेत्र में महत्वपूर्ण है, बल्कि यह विभिन्न उद्योगों जैसे अस्पतालों, जनरल कार्यालयों, होटलों, और औद्योगिक क्षेत्र में भी उपयोग होने वाले वस्त्रों का निर्माण करता है। टेक्सटाइल की वर्तमान परिस्थिति की जानकारी के लिए इस बार SIS ने राजस्थान के भीलवाड़ा में स्थित टेक्सटाइल मिल्स के अधिकारी का साक्षात्कार करा।

उन्होंने बताया की वर्षो से मिल्स में कॉटन खरीदी का काम कर रहे है। और वो विभिन्न राज्यों में अलग अलग मिल्स में कॉटन पर्चेजर का काम कर चुके है। चालू कॉटन सीजन में टेक्सटाइल मिल्स संकट कालीन समय से गुजारी है. यार्न की पूछपरख देश और विदेश में कमजोर होने से मिल्स मालिकों को मिल्स पूर्णते: आंशिक रूप से बंद करना पड़ी जिसके कारण वस्त्र उत्पादन में कमी आई जैसाकि हम सब जानते है किसी भी देश की आर्थिक स्थिति सीधे सीधे उत्पादन से जुडी होती है, इसी कारण हमारी अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हुई है।

आगे उन्होंने किसान के लिए बताया की भारत देश खेतीप्रधान देश है। देश का बड़ा हिस्सा खेती से जुड़ा हुआ है। अगर बीज सही और अच्छा है तो फसल अच्छी होती है। और अगर बीज सही नहीं है तो फसल को नुकसान होता है जिसमे पौधों में कई बीमारिया भी लग जाती है और परिणाम स्वरूप फसल अच्छी नहीं होती है। इसलिए बीज के ऊपर रिसर्च करके उसकी गुणवत्ता बढ़ानी चाहिए। जिनर के लिए बताय की उसे अच्छी क़्वालिटी वाली कपास खरीदनी चाहिए जिससे उसकी धागे क़्वालिटी अच्छी बने.

BIS के विषय में बताया की इस नियम के लिए सरकार ने और एक बार सोचना चाहिए क्योकि BIS नियमनुसार कृषि उत्पाद पर लागु नहीं करना चाहिए। कॉटन कुदरती उत्पाद होने से उसका ग्रेडिंग करना या मापदंड में बांधना सही नहीं है।

टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज के लिए बताया की हर साल कपडे की खपत तो बढ़ रही है पर उत्पादन वही है जिसके कारण हर साल कपडा आयात करना पड़ता है। कपडा एक बुनियादी जरुरत है जो हरसाल बढती रहेगी इसलिए टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज को बचाने के लिए वस्त्र उत्पादन को भी बढ़ाना होगा।

पीएयू ने किसानों को बीटी कपास पर गुलाबी बॉलवर्म के हमले से सावधान रहने को कहा है

बीटी कपास पर गुलाबी बॉलवॉर्म के हमलों के मद्देनजर, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) के विशेषज्ञों ने कपास उत्पादकों से सतर्क रहने का आग्रह किया है। उन्हें कीट के हमले की स्थिति में कृषि विज्ञान केंद्रों या कृषि सलाहकार सेवा केंद्रों से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

गुलाबी बॉलवॉर्म के प्रबंधन के लिए समय पर समाधान प्रदान करने के लिए, पीएयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. जीएस बुट्टर ने कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), मुक्तसर के विस्तार विशेषज्ञों की एक टीम के साथ दौला, मलोट, करमगढ़ का तूफानी दौरा किया। मुक्तसर के रत्ता टिब्बा, मोहलां, पन्नी वाला, सम्मे वाली, लाखे वाली, बलमगढ़ और मौर गांव।

डॉ. बुट्टर ने कहा कि इस समय जिले में कपास की फसल अच्छी स्थिति में है और कीट का हमला नियंत्रण में है।

उन्होंने उत्पादकों से आग्रह किया कि वे बीजकोषों के निर्माण और रोसेट फूलों की उपस्थिति के लिए नियमित रूप से फसल की निगरानी करें, जो ध्यान में आने पर नष्ट हो सकते हैं।

Download Our App “SIS CONNECT” For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77771

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES
CALL : 91119 77771 - 5
WEEKLY CHART 26.08.2023

MONTH	18.08.23	25.08.23	WEEKLY CHANGE
ICE COTTON			
DEC	83.62	87.31	3.69
MARCH	83.55	87.19	3.64
MAY	83.68	87.00	3.32
MCX (COTTON)			
AUG	59980	59000	-980
NOV	59600	59300	-300
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1576	1553	-23
NCDEX (COCUD KHAL)			
SEP	2720	2698	-22
DEC	2546	2517	-29
SMART INFO SERVICE	**CALL : 91119 77775**		
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.10	82.65	-0.45
PAK (Pakistani Rupee)	296.991	302.883	5.892
CNY (Chinese yuan)	7.2823	7.29065	0.00835
BRAZIL (Real)	4.9703	4.88428	-0.08602
AUSTRALIAN Dollar	1.5679	1.56152	-0.00638
MALAYSIAN RINGGITS	4.65177	4.63969	-0.01208
COTLOOK "A" INDEX	94.10	96.10	2
BRAZIL COTTON INDEX	81.75	83.58	1.83
USDA SPOT RATE	79.14	82.40	3.26
MCX SPOT RATE	60960	60080	-880
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	18200	19135	935
GOLD ($)	1918.40	1943.10	24.7
SILVER ($)	22.795	24.285	1.49
CRUDE ($)	81.40	80.05	-1.35

अगस्त माह के इस सप्ताह में कॉटन के इंटरनेशल मार्केट मिला जुला रहा ।

इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज के दिसंबर 23, मार्च 24 और मई 24 माह के लिए कॉटन के भाव क्रमशः 3.69, 3.64 और 3.32 सेंट तक बड़ा।

भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर कॉटन के दाम में कमी देखी गई। अगस्त माह के सौदा भाव में -980 रूपए प्रति कैंडी घट कर 59,000 रुपए पहुंचे वही नवंबर के भाव 300 रुपए प्रति कैंडी गिरकर 59,300 रहा।

एनसीडीइएक्स पर कपास के भाव इस बार 23 रूपए प्रति 20 किलो तक की गिरे, वही खल के भाव में सितम्बर और दिसंबर माह के लिए क्रमशः 22 और 29 रूपए प्रति क्विंटल की बढ़त हुई।

अन्य देशों के एक्सचेंज मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स पर 2.00 अंक की बढ़त रही, ब्राजील कॉटन इंडेक्स पर 1.83 और यूएसडीए स्पॉट रेट पर 3.26 अंक तक बड़े, वही एमसीएक्स स्पॉट रेट पर 880 अंक की गिरावट दर्ज की गई है। पाकिस्तान के केसीए स्पॉट रेट पर सप्ताह अंत तक 935 रुपए तक भाव बढ़े।

शेयर मार्केट निवेशकों के लिए मिला-जुला रहा यह सप्ताह

21 अगस्त से 25 अगस्त 2023 के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर वेल्यू पर आधारित खबर

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	365.45	373.15	333.5	4.43%
अरविंद लिमिटेड	155.7	161.6	138	8.28%
वेलसपन इंडिया	114.5	117.65	112.8	-2.18%
नितिन स्पिनर्स	244.15	249.30	233.50	1.73%
रेमण्ड	1946.95	2004.95	1883.9	-2.89%
अक्षिता कॉटन	26.13	26.75	26	-0.27%

बीआईएस प्रमाणन को लेकर जिनर्स ने कपास निगम की निविदाओं का बहिष्कार करा

400 से अधिक जिनर्स, कपास उत्पादकों, व्यापारियों और दलालों वाले विदर्भ कॉटन एसोसिएशन (वीसीए) ने कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) द्वारा वार्षिक निविदा का बहिष्कार करने का आह्वान किया है, जो किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर नकदी फसल खरीदती है। (एमएसपी).

यदि खरीद चक्र बाधित होता है तो विरोध प्रदर्शन क्षेत्र के किसानों को झटका दे सकता है। यह आह्वान मंगलवार को कलमेश्वर और हिंगनघाट में आयोजित जिनर्स की बैठकों के दौरान किया गया।

किसानों से कपास खरीदने के बाद, सीसीआई कच्चे स्टॉक को कपास के बीज और लिंट में संसाधित करने के लिए जिनर्स को आमंत्रित करने के लिए निविदाएं जारी करता है। कपास की गांठें बनाने के लिए लिंट को यंत्रवत् दबाया जाता है, जिसे भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) विभिन्न मापदंडों के आधार पर गुणवत्ता जांच के दायरे में लाने का प्रस्ताव करता है।

वीसीए सदस्यों का कहना है कि जलवायु परिस्थितियों में बदलाव, कचरा सामग्री, कई बार चुनने के मौसम कपास की अंतिम विशेषताओं को प्रभावित करते हैं। सीसीआई फिर गांठों को अपने गोदामों में संग्रहीत करता है जहां से इन्हें कपड़ा मिलों में धागे, कपड़े और परिधान के रूप में प्रसंस्करण के लिए आगे ले जाया जाता है। वीसीए ने इस बुनियादी आधार पर बीआईएस के कदम का विरोध किया है कि आने वाले कच्चे कपास की गुणवत्ता उनके हाथ में नहीं है। इसमें कहा गया है, "बीआईएस को सोने जैसे उत्पाद पर लागू किया जा सकता है, लेकिन गांठों पर नहीं।"

किसान अक्टूबर से कच्चा कपास लाना शुरू कर देते हैं, जबकि नवंबर से अप्रैल महाराष्ट्र में पीक सीजन होता है। कई किसान बेहतर कीमत पाने की उम्मीद में अपना स्टॉक अगस्त तक भी रोक कर रखते हैं।

नरखेड के एक जिन्नर और वीसीए सदस्य इरफान खोजे ने कहा कि बीआईएस मानदंडों को पूरा करना उद्योग के लिए व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है।

"हम प्रोसेसर हैं, निर्माता नहीं। हमें किसानों से इनपुट मिलता हैहमें दी गई गुणवत्ता को संसाधित किया जाएगा और आगे स्पिनरों तक पहुंचाया जाएगा। अगर ये नियम लागू हुए तो सिर्फ जिनर्स को ही नहीं बल्कि किसानों को भी बड़ा नुकसान होगा।"

वीसीए के एक अन्य सदस्य भावेश शाह ने कहा कि जिनिंग उद्योग सीधे तौर पर किसानों से जुड़ा हुआ है। "पहले से ही, हम सर्वोत्तम कपास का प्रसंस्करण कर रहे हैं। कई बार बारिश के कारण तुड़ाई देर से होती है या पत्तियां आपस में मिल जाती हैं। यदि बीआईएस हमें मजबूर करता है, तो हमें किसानों से वांछनीय गुणवत्ता वाली सामग्री लाने के लिए कहना होगा। अगर हम ऐसा करते हैं, तो जिनर्स को किसान विरोधी के रूप में देखा जाएगा, "उन्होंने कहा।

एक किसान और जिन्नर नरेंद्र चांडक ने कहा कि किसानों के लिए बीआईएस मानदंडों के अनुसार कपास लाना लगभग असंभव है। "बीआईएस किसी भी कृषि वस्तु पर लागू नहीं है। यह एक उद्योग से उद्योग का व्यवसाय है और इसलिए, हमें लगता है कि गुणवत्ता जांच हम पर नहीं थोपी जानी चाहिए, "चांडक ने कहा।

कपास परीक्षण प्रयोगशाला चलाने वाले वीसीए सदस्य राहुल भरतवाल ने कहा, "एक मूक विरोध के रूप में, हम चल रहे सीसीआई निविदाओं में भाग नहीं ले रहे हैं जो बीआईएस मानदंडों को अनिवार्य बनाते हैं।"

कपास सलाहकार गोविंद वैराले का मानना है कि नमी ही एकमात्र बाधा है जबकि बीआईएस के लिए बाकी मापदंडों का अनुपालन किया जा सकता है। "गिनर्स के लिए, कपास के मौसम की शुरुआत में नमी का प्रतिशत एक बाधा है। इसलिए नमी प्रतिशत की शर्त को 8% से 12% तक शिथिल किया जाना चाहिए। बाद में नमी 8 प्रतिशत तक कम हो जाएगी। अन्य सभी विशिष्टताओं को बीआईएस मानदंडों के अनुसार लागू किया जा सकता है, "उन्होंने कहा।

एक अनुभवी विशेषज्ञ, वैराले ने कहा कि वर्तमान में अधिकांश जिनिंग और प्रेसिंग कारखाने सबसे आधुनिक प्रसंस्करण इकाइयाँ हैं।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

तेलंगाना कपास की वृद्धि की कहानी नवप्रवर्तन पर टिकी है: विशेषज्ञ

विशेषज्ञों ने कहा कि तेलंगाना के कपास के खेतों में जबरदस्त संभावनाएं हैं और इसके किसान उल्लेखनीय लचीलापन प्रदर्शित करके देश का नेतृत्व करते हैं, उन्होंने सुझाव दिया कि राज्य की उत्पादकता में वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए, और यह सुनिश्चित करने के लिए कि कपास उत्पादक अपनी प्रगति जारी रखें, उच्च घनत्व रोपण प्रणाली (एचडीपीएस) को दोहराया जाना चाहिए। एक विस्तृत पैमाना.

बीआईएस प्रमाणन को लेकर जिनर्स कपास निगम की निविदाओं का बहिष्कार

विदर्भ कॉटन एसोसिएशन (वीसीए), होने जा रहा है। 400 से अधिक जिनर्स, कपास उत्पादक, व्यापारी और दलाल इसके सदस्यों ने भारतीय कपास निगम (सीसीआई) की वार्षिक निविदा का बहिष्कार करने का आह्वान किया है, जो किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर नकदी फसल खरीदती है। विरोध प्रदर्शन के आह्वान से क्षेत्र के किसानों को झटका लग सकता है खरीद चक्र बाधित हो सकता है।

कपास आपूर्ति की स्थिति आरामदायक: SIMA

साउथर्न इंडिया मिल्स एसोसिएशन (SIMA) ने कहा कि कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के पास उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल अक्टूबर में शुरू हुए चालू सीजन के दौरान अब तक कपास की आवक 318 लाख गांठ को पार कर गई है।

"पंजाब के कृषि मंत्री ने कहा बठिंडा और मनसा में कपास की फसल पर गुलाबी बॉलवर्म के हमले के बाद तदनुसार कदम उठाए"

2021 में, कपास की फसल पर गुलाबी बॉलवर्म के गंभीर संक्रमण के कारण उत्पादन में लगभग 34 प्रतिशत की हानि हुई और बठिंडा को सबसे अधिक नुकसान हुआ। 2021 में कपास का कुल क्षेत्रफल 2.52 लाख हेक्टेयर था।

धान की बुआई बढ़ी, दलहन, कपास, तिलहन की बुआई घटी

अनियमित मानसून के बीच, किसानों ने इस ख़रीफ़ सीज़न में अधिक धान लगाया, और दालें, कपास और तिलहन कम लगाए। शुक्रवार को जारी कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, कुल मिलाकर खरीफ की बुआई पिछले साल से 3.6% बढ़कर 105.4 मिलियन हेक्टेयर (एमएच) तक पहुंच गई।

कॉटन फिजिकल मार्केट अगस्त माह के इस सप्ताह में कॉटन के भाव में गिरावट देखी गयी।

यह सप्ताह कॉटन फिजिकल मार्केट के लिए मिला जुला रहा। नार्थ, सेंट्रल और साउथ तीनों ही झोन में कॉटन के भाव में भी काम ज्यादा देखने को मिला ।

नार्थ झोन मंडियों में कपास की नई आवक होने पंजाब, हरयाणा और अपर राजस्थान में क्रमशः 250 ,120 और 450 रुपए प्रति मंड गिरा.

वही सेंट्रल झोन के गुजरात राज्य में सबसे ज्यादा 500 रूपए प्रति कैंडी की कमी देखने को मिली। जबकि महाराष्ट्र में 300 रुपए तक की कमी हुई, मध्य प्रदेश में सबसे कम 200 रूपये की कमी देखी गई।

साउथ झोन में भी मार्केट में गिरावट जारी रही। सबसे ज्यादा ओडिशा में 300 रूपए प्रति कैंडी तक की गिरावट देखी जबकि कर्नाटक और आंध्र प्रदेश मार्केट स्थिर रहे। सबसे कम तेलंगाना में 100 प्रति खण्डी भाव गिरे।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 26.08.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	21.08.23		26.08.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,950	6,050	5,700	5,800	-250
HARYANA	27.5/28	5,870	5,970	5,750	5,850	-120
UPER RAJASTHAN	28	6,150	6,300	5,950	5,850	-450
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	60,500	60,700	59,900	60,200	-500
MADHYA PRADESH	29	60,300	60,500	59,800	60,300	-200
MAHARASHTRA	29 vid.	60,300	60,800	60,000	60,500	-300
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5	61,500	61,600	61,200	61,300	-300
KARNATAKA	29.5/30 mm	60,500	61,000	60,500	61,000	0
ANDHRA PRADESH	29.5/30 mm	61,500	62,000	61,500	62,000	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	60,800	61,800	60,700	61,700	-100

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

NEWSLETTER

Saturday, 26 August 2023 | Volume - 60

Interview | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

Ginners to boycott cotton corp tenders over BIS certification

GOLD : 58640
SILVER : 73627
CRUDE OIL : 6542

"Challenges of the textile industry in the current environment and their solutions"

The clothing industry is an important and vast industry that affects all aspects of human life. This industry covers a number of processes from the production of garments to their distribution and distribution in the market. The textile industry is not only important in the field of fashion and style, but it also manufactures garments used in various industries such as hospitals, general offices, hotels, and industrial sector. This time SIS interviewed the officials of textile mills located in Bhilwara, Rajasthan, to know about the present condition of textile.

He told that he has been doing the work of buying cotton in mills for years. And he has worked as a cotton purchaser in different mills in different states. In the current cotton season, the textile mills have passed through a period of crisis. Due to the weakening of the demand for yarn in the country and abroad, the mill owners had to close the mills partially, due to which there was a decrease in the production of clothes. As we all know, the economic condition of any country is directly related to the production, that is why Our economy has also been affected.

Further, he told for the farmer that India is an agricultural country. A major part of the country is associated with agriculture. If the seed is right and good then the crop is good. And if the seed is not right, then the crop is damaged, in which many diseases also occur in the plants and as a result the crop is not good. That's why research on the seed should be done to increase its quality. Told for the ginner that he should buy good quality cotton so that his yarn would be of good quality.

,

Told about BIS that the government should think once more for this rule because BIS should not apply to agricultural products as per rules. Cotton being a natural product, it is not correct to grade it or to tie it to criteria.

For textile industries, it was told that the consumption of cloth is increasing every year but the production is the same due to which cloth has to be imported every year. Clothing is a basic need which will continue to increase every year, so to save the textile industries, clothing production will also have to be increased.

PAU asks farmers tobeware of pink bollworm attack on Bt cotton

In the wake of pink bollworm attacks on Bt cotton, experts from Punjab Agricultural University (PAU) have urged cotton growers to be vigilant. They have been advised to contact Krishi Vigyan Kendras or Krishi Salahkar Seva Kendras in case of pest attack.

To provide timely solutions for the management of pink bollworm, Dr. GS Buttar, Director Extension Education, PAU, along with a team of extension experts from Krishi Vigyan Kendra (KVK), Muktsar undertook a field visit to Daula, Malot, Karamgarh. Ratta Tibba, Mohlan, Panni Wala, Samme Wali, Lakhe Wali, Balamgarh and Maur villages of Muktsar.

Dr Buttar said that at present the cotton crop in the district is in good condition and pest attack is under control.

He urged the growers to regularly monitor the crop for the formation of bolls and presence of rosette flowers, which may be destroyed if noticed.

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77771

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77771 - 5 WEEKLY CHART 26.08.2023			
ICE COTTON			
MONTH	18.08.23	25.08.23	WEEKLY CHANGE
DEC	83.62	87.31	3.69
MARCH	83.55	87.19	3.64
MAY	83.68	87.00	3.32
MCX (COTTON)			
AUG	59980	59000	-980
NOV	59600	59300	-300
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1576	1553	-23
NCDEX (COCUD KHAL)			
SEP	2720	2698	-22
DEC	2546	2517	-29
SMART INFO SERVICE		CALL : 91119 77775	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.10	82.65	-0.45
PAK (Pakistani Rupee)	296.991	302.883	5.892
CNY (Chinese yuan)	7.2823	7.29065	0.00835
BRAZIL (Real)	4.9703	4.88428	-0.08602
AUSTRALIAN Dollar	1.5679	1.56152	-0.00638
MALAYSIAN RINGGITS	4.65177	4.63969	-0.01208
COTLOOK "A" INDEX	94.10	96.10	2
BRAZIL COTTON INDEX	81.75	83.58	1.83
USDA SPOT RATE	79.14	82.40	3.26
MCX SPOT RATE	60960	60080	-880
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	18200	19135	935
GOLD ($)	1918.40	1943.10	24.7
SILVER ($)	22.795	24.285	1.49
CRUDE ($)	81.40	80.05	-1.35

The international cotton market was mixed in this week of August.

Cotton prices for the months of December 23, March 24 and May 24 at the International Cotton Exchange rose by 3.69, 3.64 and 3.32 cents respectively.

A decrease in the price of cotton was observed on the Multi Commodity Exchange (MCX) in the Indian market. In the month of August, the bargain price decreased by Rs.980 per candy to reach Rs.59,000, while in November, the price fell by Rs.300 per candy to Rs.59,300.

Cotton prices fell by Rs 23 per 20 kg on NCDEX this time, while the prices of khaal increased by Rs 22 and Rs 29 per quintal for the months of September and December respectively.

Looking at the exchange market of other countries, there was a gain of 2.00 points on the Cotlook "A" index, 1.83 points on the Brazil Cotton Index and 3.26 points on the USDA spot rate, while a decline of 880 points has been recorded on the MCX spot rate. At the KCA spot rate of Pakistan, the price increased up to Rs 935 by the end of the week.

It was a mixed week for stock market investors

News based on the share value of major textile companies from 21 August to 25 August 2023

COMPANY	CURRENT PRICE	HIGH PRICE	LOW PRICE	MOVEMENT
VARDHMAN TEXTILE LIMITED	374.65	376.30	357.1	3.2%
ARVIND LIMITED	165.9	175	154.6	7.03%
WELSPUN INDIA	121.4	126.7	113.85	5.98%
NITIN SPINNERS	279.7	294.00	244.15	14.56%
RAYMOND	1952.1	2020.65	1921.05	-1.11%
AXITA COTTON	26.28	27.32	25.95	-0.08%

Ginners to boycott cotton corp tenders over BIS certification

The Vidarbha Cotton Association (VCA), having over 400 ginners, cotton growers, traders and brokers as its members, has called for boycotting the annual tendering by Cotton Corporation of India (CCI), which procures the cash crop from farmers at minimum support price (MSP).

The protest call may deal a blow to farmers of the region if the procurement cycle is disrupted. The call was given during meetings of ginners held at Kalmeshwar and Hinganghat on Tuesday.

After purchasing the cotton from farmers, the CCI floats tenders inviting ginners for processing the raw stock into cotton seed and lint. The lint is pressed mechanically to make cotton bales, which the Bureau of Indian Standard (BIS) proposes to bring under quality check based on various parameters.

Variations in climatic conditions, trash content, multiple picking seasons affect the final characteristics of cotton, say VCA members.
The CCI then stores the bales in its warehouses from where these are moved further for processing as thread, fabric, and garments in textile mills. The VCA has opposed the BIS move on the basic premise that the quality of incoming raw cotton is not in their hands. "BIS can be implemented on a product like gold, but not bales," it said.

Farmers start bringing raw cotton from October onwards, while November to April is the peak season in Maharashtra. Many farmers hold back their stock till August too in the hope of getting a better price.

Irfan Khoje, a ginner from Narkhed and VCA member, said meeting the BIS norms is practically not possible for the industry. We are processors, not manufacturers. We get input from farmers. The quality delivered to us will be processed and moved further to spinners. Not just ginners but farmers too will suffer big losses if the norms are implemented," he said.

Another VCA member Bhavesh Shah said the ginning industry is directly linked to farmers. "Already, we are processing best cotton. Many a time, picking is late due to rains or mixing with leaves happen. If BIS compels us, then we will have to ask farmers to bring desirable quality material. If we do it, ginners would be seen as anti-farmers," he said.

A farmer and ginner Narendra Chandak said it is nearly impossible for farmers to bring cotton as per BIS norms. "BIS is not applicable to any agricultural commodity. It is an industry to industry business and, therefore, we feel the quality check shouldn't be imposed on us," Chandak said.

VCA member Rahul Bharatwal, who runs a cotton testing lab, said, "As a silent protest, we are not participating in the ongoing CCI tenders which make the BIS norms compulsory."

Cotton adviser Govind Wairale feels moisture is the only hurdle while rest of the parameters can be complied with for BIS. "For ginners, moisture percentage is an obstacle in the beginning of cotton season. So moisture percentage condition should be relaxed up to 8% to 12%. Later on, moisture will be less up to 8%. All other specifications can be implemented as per BIS norms," he said.

Wairale, a veteran expert, added that at present most of ginning and pressing factories are most modern processing units.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

Telangana cotton growth story hinges on innovation: Experts

Stating that Telangana's cotton fields have tremendous potential and its farmers lead the country by displaying remarkable resilience, experts suggested that steps should be taken to boost productivity growth in the state, and to ensure that cotton growers Continuing its progress, the High Density Planting System (HDPS) should be replicated. a broad scale.

Boycott of tenders of Ginners Cotton Corporation regarding BIS certification

Vidarbha Cotton Association (VCA), is going to be Its members, over 400 ginners, cotton growers, traders and brokers, have given a call to boycott the annual tender of the Cotton Corporation of India (CCI), which buys cash crops from farmers at the minimum support price (MSP). The call for protest may shock the farmers of the region, disrupting the procurement cycle.

Cotton supply conditions comfortable: SIMA

The Southern India Mills Association (SIMA) said that according to data available with the Cotton Corporation of India, cotton arrivals have crossed 31.8 million bales so far during the current season that began in October last year.

"After pink bollworm attack on cotton crop in Bathinda and Mansa, take action accordingly," Punjab Agriculture Minister said.

In 2021, about 34 per cent loss in production due to severe infestation of pink bollworm on cotton crop with Bathinda being the most affected. The total area under cotton in 2021 was 2.52 lakh hectares.

Sowing of paddy increased, sowing of pulses, cotton, oilseeds decreased

Amid an erratic monsoon, farmers planted more paddy this kharif season, and less pulses, cotton and oilseeds. Overall kharif sowing reached 105.4 million hectares (MH), up 3.6% from last year, according to agriculture ministry data released on Friday.

Cotton Physical Market: In this week of August, cotton prices witnessed a decline.

It was a mixed week for the cotton physical market. In all the three zones North, Central and South, there was more work in the price of cotton.

Cotton fell by Rs 250, 120 and 450 per mand in Punjab, Haryana and Upper Rajasthan respectively due to new arrivals in North zone mandis.

In the state of Gujarat in the central zone, the maximum shortage of Rs 500 per candy was seen. While Maharashtra saw a reduction of up to Rs 300, Madhya Pradesh saw the lowest reduction of Rs 200.

The market continued to decline in South Zone as well. Odisha saw maximum fall of up to Rs 300 per candy while Karnataka and Andhra Pradesh markets remained stable. 100 per Khandi prices fell the lowest in Telangana

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 26.08.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	21.08.23		26.08.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,950	6,050	5,700	5,800	-250
HARYANA	27.5/28	5,870	5,970	5,750	5,850	-120
UPER RAJASTHAN	28	6,150	6,300	5,950	5,850	-450
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	60,500	60,700	59,900	60,200	-500
MADHYA PRADESH	29	60,300	60,500	59,800	60,300	-200
MAHARASHTRA	29 vid.	60,300	60,800	60,000	60,500	-300
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5	61,500	61,600	61,200	61,300	-300
KARNATAKA	29.5/30 mm	60,500	61,000	60,500	61,000	0
ANDHRA PRADESH	29.5/30 mm	61,500	62,000	61,500	62,000	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	60,800	61,800	60,700	61,700	-100
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						